# इस मास में विशेष: साधना दीक्षा

## श्रावणमय ऋद्धि-सिद्धि प्रयोग

**06 जुलाई, गजानन संकष्टी चतुर्थी**

जिस परिवार में गणपति के साथ ऋद्धि-सिद्धि की पूजा होती है, वह घर ही मंगलमय तथा आनन्दप्रद बन जाता है, लक्ष्मी की निरन्तर कृपा होती रहती है, कर्ज के बोझ से मुक्ति मिलती है, वहीं साधनाओं में भी सफलता प्राप्त होती है। ऋद्धि-सिद्धि साधना करने से भूमि-लाभ, शीघ्र भवन निर्माण तथा परिवार में पूर्ण सुख-शांति प्राप्त होने की क्रिया उसी दिन से शुरू हो जाती है। श्रावण युक्त इस दिवस पर यह साधना सम्पन्न करने से समस्त सुखों की प्राप्ति होती है।

## शिव सिद्धि प्रयोग

**10 जुलाई, श्रावण सोमवार प्रारम्भ**

यह संसार भी विष का सागर है, जो छल, झूठ, कपट, हिंसा, व्याभिचार, ईर्ष्यारूपी विष की बूंदों से भरा हुआ है। इस दुर्लभ संसार में रह कर भी व्यक्ति उत्साह, उमंग युक्त हो सके इसके लिये जीवन में नृत्य, आनन्द व प्रवाह होना आवश्यक है। यही तो मस्ती है, यही तो उच्चता, श्रेष्ठता, तेजस्विता, और सम्पूर्णता है जो आप पा सकते हैं इस प्रयोग को सम्पन्न कर भगवान शिव की कृपा प्राप्त कर और गुरु भी शिव ही है इसलिये इस शिव प्रयोग को अवश्य ही सम्पन्न करें।

## अमृतपान प्रयोग

**18 जुलाई, अधिक मास प्रारम्भ**

मात्र शरीर का बाह्य स्वास्थ्य ही आवश्यक नहीं है, अपितु इसके साथ ही साथ आन्तरिक एवं बौद्धिक रूप से स्वस्थ एवं उन्नतिशील होना भी आवश्यक है... श्रेष्ठ विचार, श्रेष्ठ क्रिया पद्धति, श्रेष्ठ भावनाये, श्रेष्ठ चिन्तन आदि ही श्रेष्ठ व्यक्तित्व की पहचान हैं। इन गुणों को जीवन में उतार कर ही श्रेष्ठता के मार्ग पर अग्रसर हुआ जा सकता है। यह प्रयोग इस दृष्टि से अत्यन्त श्रेष्ठ एवं अद्वितीय है।

## श्रेष्ठमय संतान सुख प्राप्ति प्रयोग

**29 जुलाई, पद्मिनी एकादशी**

अधिक मास की एकादशी का विशेष महत्व होता है, जिसमें पद्मिनी एकादशी के दिन संतान प्राप्ति, परिवार रक्षा, आयु वृद्धि, सुख-समृद्धि की मनोकामनाओं की पूर्ति के लिये महत्वपूर्ण है। श्रावण मास युक्त एकादशी पर इस प्रयोग को सम्पन्न करने से स्वस्थ संतान की प्राप्ति, परिवार की बुरी शक्तियों से रक्षा, सुख-शांति, आरोग्यता, आध्यात्मिक विकास, पूर्व जन्मकृत दोष से मुक्ति आदि सुमंगलमय स्थितियों की प्राप्ति होती है।

**साधना** एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।